मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 242, मुंबई, शनिवार, 5 दिसंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र एमएलसी चुनाव

पहली चुनावी परीक्षा में उद्धव पास

बीजेपी की चिंतन बैठक शुरू

महाराष्ट्र के विधानसभा परिषद चुनावों में अपेक्षाकृत नतीजे हासिल कर पाने से उदास बीजेपी कोर कमिटी की मुंबई में चिंतन बैठक शुरू है। जिस पर खराब प्रदर्शन के कारणों को तलाशा जा रहा है और उनका आंकलन किया जाएगा। चुनावी नतीजों पर देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि बीजेपी को जैसे नतीजों की उम्मीद थी वैसा कुछ नहीं हुआ है। फडणवीस ने कहा कि हम विरोधी खेमे की ताकत का अंदाजा नहीं लगा सके।

जीत से खुश शरद पवार

एनसीपी के मुखिया शरद पवार ने महाविकास अघाड़ी सरकार के प्रदर्शन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा है कि जब उद्धव ठाकरे की मुख्यमंत्री के रूप में ताजपोशी की गई थी। तब विरोधी दलों ने कहा था कि यह सरकार ज्यादा दिनों तक नहीं चल पाएगी। लेकिन विधान परिषद चुनाव के नतीजों ने बता दिया है की जनता हमारे साथ है और यह सरकार अपना कार्यकाल जरूर पूरा करेगी।

महाराष्ट्र का शीतकालीन सत्र 14-15 दिसंबर को नागपुर के बजाय मुंबई में होगा

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

विधान परिषद की 6 में से 4 सीटों पर महाविकास अघाड़ी जीती

मुंबई। 1 दिसंबर को महाराष्ट्र की 6 विधान परिषद सीटों के लिए हुए चुनावों के परिणाम शुक्रवार को आ गए। नतीजों के मुताबिक, महाविकास अघाड़ी (कांग्रेस-एनसीपी और शिवसेना) 4 सीटों पर कब्जा जमाने में कामयाब रही हैं। वहीं, भाजपा और निर्दलीय के खाते में एक-एक सीट आई है। एमवीए की चार सीटों में से कांग्रेस को 2 और एनसीपी को एक सीट मिली है। बतौर मुख्यमंत्री उद्धव के नेतृत्व में यह पहला चुनाव है। इसलिए इसे उनकी अग्निपरीक्षा के रूप में देखा जा रहा था।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

भाजपा अपने सबसे मजबूत गढ़ नागपुर में हारी

डेप्युटी सीएम पवार बोले, आघाड़ी की जीत हमारी एकता का सबूत

6 में से 5 सीटों पर महाविकास आघाड़ी की जीत पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा, 'विधानपरिषद चुनाव में आघाड़ी की जीत गठबंधन पार्टियों के बीच एकता का सबूत हैं।'

तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो के राइटर ने की खुदकुशी

भाई ने कहा- ब्लैकमेलिंग का हुए शिकार

मुंबई। मशहूर कॉमेडी सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा के राइटर अभिषेक मकवाना ने आत्महत्या कर ली। उनका शव 30 नवंबर को मुंबई के कांदिवली में घर में मिला था। अब उनके परिवार ने दावा किया है कि वो साइबर फ्रॉड और ब्लैकमेलिंग का शिकार हुए थे। परिवार का कहना है कि उन्हें धमकी भरे फोन कॉल्स आ रहे थे। इससे वे मानसिक रूप से बुरी तरह परेशान हो गए थे। पुलिस के मुताबिक, अभिषेक ने अपने सुसाइड नोट में आर्थिक परेशानियों को अपनी मौत की वजह बताया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

आंदोलन की चिंता

किसानों और केंद्र सरकार के बीच बातचीत न केवल सुखद, बल्कि स्वागतयोग्य है। जहां सरकार तीनों कृषि कानूनों के बचाव में जुटी है, वहीं किसान अपनी आपत्ति पर अड़े हैं। गुरुवार दोपहर किसानों की ओर से कृषि सचिव को एक खाका सौंपा गया। एपीएमसी ऐक्ट के 17 बिंदुओं पर, एसेंशियल कमोडिटी ऐक्ट के आठ बिंदुओं पर और कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग के 12 बिंदुओं पर उनकी असहमति है। आधिकारिक रूप से किसानों को तीनों कृषि कानूनों के 37 बिंदुओं पर सरकार से सफाई चाहिए। अगर सरकार जवाब दे पाती है, तो विवाद सुलझ जाएगा, नहीं तो ज्यादा गुंजाइश यही है कि किसानों का आंदोलन आने वाले दिनों में और बड़े रूप में सामने आए। हकीकत यही है कि किसानों के पक्ष में आंदोलनकारियों और आंदोलन को समर्थन देने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। देश में कुछ दूसरी जगहों पर भी लोगों ने प्रदर्शन करके किसानों के प्रति समर्थन दशार्या है। सबसे चिंता की बात है, ट्रांसपोर्टरों के शीर्ष संगठन ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने 5 दिसंबर से उत्तर भारत में परिचालन बंद करने की चेतावनी दी है। उत्पादों और रोजमर्रा की चीजों के परिवहन में अगर समस्या आई, तो देश में बढ़ती महंगाई को और बल मिलेगा। दिल्ली की सीमाओं पर जाम की स्थिति बनने से वैसे ही समस्याएं बढ़ने लगी हैं। जो लोग घंटों जाम में फंस रहे हैं, उनसे कोई पूछे, आंदोलन क्या होता है? देश की जमीनी हकीकत अगर देखें, तो कोरोना और आर्थिक मंदी के समय किसान आंदोलन न केवल दुखद, बल्कि चिंताजनक है। समाज के किसी एक वर्ग का भला होना, भले ही पूरे देश का भला होना हो, लेकिन तात्कालिक रूप से जो नुकसान उठाने पड़ रहे हैं, वे किसी के भी हित में नहीं हैं। अव्वल तो यह आंदोलन राष्ट्रीय राजधानी तक पहुंचने से पहले ही सुलझा लिया जाता। आज जो वार्ता हो रही है, वह पहले भी संभव थी, पर किसानों को दिल्ली सीमा पर चढ़ आने के लिए एक तरह से खुला छोड़ दिया गया। आज खामियाजा पूरी दिल्ली भुगत रही है। किसी भी मांग के लिए दिल्ली पर चढ़ आने की प्रवृत्ति का भला कौन बचाव करेगा? हमें सोच लेना चाहिए, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ऐसे प्रदर्शनों की संख्या बढ़ी, तो कौन जवाबदेह होगा? लगातार संकेत मिल रहे हैं कि आंदोलन का आकार और प्रकार, दोनों विस्तार की ओर अग्रसर हैं। एक बड़ा खतरा यह भी है कि आंदोलन की मांगें कहीं बढ़ न जाएं। मांगों की सूची कहीं जटिल न होती जाए। किसान नेताओं को यह ध्यान रखना होगा कि वे जिस सद्भावना के साथ घर से चले थे, वह बनी रहे। आंदोलन में शांति व्यवस्था बनी रहनी चाहिए, किसी भी स्थिति में पुलिस या सरकार को उग्रता के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। राष्ट्रीय राजधानी में ऐसा आंदोलन कोई प्रशंसनीय बात नहीं है। आंदोलन की लोकप्रियता तभी तक है, जब तक कि लोगों को ज्यादा परेशानी नहीं हो रही। किसानों के साथ ही सरकार को भी समस्या के वास्तविक समाधान पर ज्यादा समझदारी से काम करना होगा। अब तो इस आंदोलन पर पूरी दुनिया की निगाह है। ध्यान रहे, पुरस्कार वापसी से भी स्थितियां बिगड़ेंगी। लोकतांत्रिक उदारता से ही समाधान की राह निकलेगी। देश की भलाई इसमें है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे की बात जल्द से जल्द समझें और देश इस जाम से आगे बढ़े।

अच्छा विपक्ष चाहिए या अच्छी सरकार!

भारत में सबको एक मजबूत और अच्छे विपक्ष की जरूरत महसूस हो रही है। देश में एक चुनी हुई सरकार है, जो लगभग हर मोर्चे पर विफल हो गई है, उसकी चिंता किसी को नहीं है। एक अच्छी सरकार हो, जो इस महामारी के समय स्वास्थ्य सुविधाओं को संभाले व बेहतर करे और महामारी से पैदा हुई आर्थिक समस्याओं से लोगों को बचाए, इसकी चिंता किसी को नहीं है। प्रधानमंत्री और उनकी सरकार के बाकी मंत्री क्या कर रहे हैं, इसकी भी चिंता किसी को नहीं है। कोरोना संकट, किसान आंदोलन और तमाम दूसरी समस्याओं के बीच प्रधानमंत्री इवेंट मैनेजमेंट कंपनी की ओर से आयोजित देव दीपावली के उत्सव में शामिल हो रहे थे और देश के गृह मंत्री नगर निगम के चुनाव प्रचार में रैलियां कर रहे थे। पर यह सब एक सामान्य प्रक्रिया के तहत लिया जा रहा है। माना जा रहा है कि यह उनका काम है, जो वे कर रहे हैं। असली सवाल यह है कि विपक्ष क्या कर रहा है? यानी एक विफल सरकार से ज्यादा चिंता कमजोर विपक्ष की है! यह विमर्श देश में अचानक नहीं बना है और न अपने आप बना है। यह एक विनिर्मित आइडिया है, जिसे राजनीतिक विमर्श के तौर पर स्थापित किया गया है। मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए इसे मैन्यूफैक्चर किया गया और फिर जाने-अनजाने में इसमें देश की बौद्धिक जमात के लोग भी शामिल हो गए हैं। वे भी मानने लगे हैं कि देश की सारी समस्या की जड़ एक मजबूत विपक्ष का नहीं होना है। फिर जब यह विमर्श आगे बढ़ता है तो सिर्फ एक ही बात दिखाई देती है कि सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस कितनी कमजोर हो गई है। उसका नेतृत्व कितना कमजोर हो गया है। सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी का नेतृत्व कितना बंटा हुआ है। राहुल गांधी कितने नासमझ हैं, जो राजनीतिक हकीकत देख-समझ नहीं पा रहे हैं। इस तरह मजबूत विपक्ष की सारी बहस कांग्रेस की कमजोरी पर आकर खत्म हो जाती है। असल में भाजपा और केंद्र सरकार बहस को वहीं पर ले जाना चाहती है, इसलिए बहस वहीं पर पहुंचती है। असलियत में यह सवाल ही नहीं होना चाहिए कि विपक्ष क्या कर रहा है और उसे क्या करना चाहिए। विपक्ष कुछ भी करे, उससे क्या होना है? आजादी के बाद के इतिहास का अध्ययन करने वाला कोई व्यक्ति बता दे कि जवाहर लाल नेहरू से लेकर नरेंद्र मोदी तक विपक्ष ने किस सरकार के कितने फैसले बदलवा दिए या सरकारों को कितना मजबूर किया? भारत में सरकार हमेशा माई-बाप रही है। एचडी देवगौड़ा और आईके गुजराल सरकार की भी बांह मरोड़ कर विपक्ष कुछ नहीं करा सका था। इसलिए मजबूत विपक्ष की बात करना एक किस्म के राजनीतिक भ्रमजाल में फंसना है, जिसका इस समय कोई मतलब नहीं है।

इस समय देश के लोगों को सबसे पहले संसदीय प्रणाली वाली भारत की राजनीतिक व्यवस्था की बुनियादी बातों में आ रही कमजोरियों को समझना होगा। यह देखना होगा कि किस तरह से एक चुनी हुई सरकार धीरे धीरे पूरी व्यवस्था को बदलती जा रही है और लोग इसके लिए सरकार को जिम्मेदार मानने की बजाय मजबूत विपक्ष तलाश रहे हैं। मजबूत विपक्ष क्या कर लेगा, अगर जनधारणा उसके अनुकूल नहीं है या जैसा सरकार चाहती है, वैसी जनधारणा है? मिसाल के तौर पर अभी चल रहे किसान आंदोलन को देख सकते हैं। यह एक मजबूत आंदोलन है, जिसमें कई राज्यों के किसान शामिल हैं और बहुत वाजिब मांगों को लेकर कड़ाके की ठंड में आंदोलन कर रहे हैं। पर क्या मजबूत विपक्ष की मांग करने वाले लोग इस आंदोलन के साथ खड़े हैं? क्या देश के आम लोगों को लग रहा है कि किसानों की मांग वाजिब है और सरकार को उनकी बात सुननी चाहिए? मीडिया और सोशल मीडिया दोनों जगह अलग ही विमर्श चल रहा है। ज्यादातर जगहों पर किसान आंदोलन का विरोध देखने को मिल रहा है। किसान आंदोलन को सीएए आंदोलन पार्ट टू बताया जा रहा है। कोई किसानों को खालिस्तानी बता रहा है तो कोई इसे आढ़तियों का आंदोलन बता रहा है तो किसी को लग रहा है कि यह कांग्रेस का आंदोलन है। जब लोगों में इतनी बेसिक बातों की समझदारी नहीं है या इतनी बेसिक बातों में लोग सरकार के प्रोपेगेंडा से प्रभावित होते हैं तो फिर मजबूत विपक्ष की मांग का क्या मतलब रह जाता है?

भारत और ब्रिटेन दोनों देश के संसदीय इतिहास और परंपराओं के जानकार विद्वान एजी नूरानी ने ब्रिटिश संसद की एक साझा समिति की 1933-34 की रिपोर्ट के आधार पर बताया है कि संसदीय प्रणाली की शासन व्यवस्था के सुचारू रूप से चलने के लिए चार चीजों की जरूरत है। पहली चीज है, बहुमत का शासन। दूसरी, अल्पमत में आने वाले द्वारा बहुमत के शासन के फैसलों को एक निश्चित समय तक स्वीकार करने की सहमति। तीसरी, बड़े राजनीतिक दलों की मौजूदगी, जो छोटे-छोटे स्वार्थों की बजाय बड़े नीतिगत मसलों पर मतभेद रखते हों। और चौथी, एक ऐसी राजनीति विचारधारा या सोच का अस्तित्व, जिसका स्थायी जुड़ाव किसी एक पक्ष के साथ नहीं हो, जो अपनी आंतरिक भावनाओं से निर्देशित हो और एक तरफ अति होते देख, दूसरी ओर जाने के लिए तैयार हो। यह एक जीवंत जनभावना है और वहीं अंततः लोकतंत्र व संसदीय प्रणाली की जान है। यहीं जीवंत भावना अमेरिका में अंत में डोनाल्ड ट्रंप की हार का कारण बनी। किसी अति से प्रभावित होकर राय बदलने वाली मोबाइल ओपीनियन ही वह चीज है, जो लोकतंत्र और संसदीय प्रणाली दोनों को बचा सकती है। अफसोस की बात है संसदीय प्रणाली की व्यवस्थाओं को बचाए रखने के लिए जरूरी चारों चीजों की भारत में कमी हो गई है। भारत में बहुमत का शासन है पर वह बहुमत के लिए शासन में तब्दील हो गया है। जो अल्पमत में आया है, उसे पहले दिन से बहुमत का शासन मंजूर नहीं है। पार्टियों के बीच नीतिगत मसलों से ज्यादा बहुत छोटे-छोटे स्वार्थों पर टकराव है। कांग्रेस पार्टी कोई नीतिगत मुद्दा उठाएगी तो उसका जवाब देने की बजाय सरकार की ओर से उसके नेताओं को वंशवादी बताया जाने लगेगा। जरूरी मुद्दों का जवाब देने की बजाय सरकार के लोग विपक्षी नेता को पप्पू ठहराने में ज्यादा मेहनत करते हैं। इसका कुल जमा नतीजा यह हुआ है कि संसदीय प्रणाली और उसे चलाए रखने वाली राजनीतिक व्यवस्था में लगातार आ रही गिरावट की बजाय सबका ध्यान कमजोर विपक्ष पर टिका दिया गया है। सारी समस्याओं का रामबाण इलाज मजबूत विपक्ष को बताया जाने लगा है, जबकि हकीकत में विपक्ष कितना भी मजबूत हो, वह किसी समस्या का समाधान नहीं है। असली समाधान सरकार ही है, जो अभी विपक्ष से भी गई-गुजरी दिख रही है।

कारोबारी घरानों को बैंक खोलने देना डुबना!

बचपन में घर से लेकर स्कूल तक हमें मां-बाप और अध्यापक यह सिखाते आए हैं कि हमें गलतियां करने से बचना चाहिए और अगर कभी कोई कदम गलत हो जाए तो भविष्य में वैसा ही कदम दोबारा उठाने से बचना चाहिए। मगर अब ऐसा लगता है कि हमें यह शिक्षाएं भले ही याद हो मगर हमारे नेता, शासक इन्हें पूरी तरह से भूल गए हैं। उन्होंने अपनी गलतियों से सबक लेना तो दूर रहा वे अपनी गलतियों को इसके विपरीत कहीं ज्यादा बड़े पैमाने पर दोहराने की कोशिश कर रहे हैं। नवीनतम मामला देश के व्यापारिक घरानो को बैंक के क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति देने का है। व्यापारिक घरानों ने देश के बैंको को कैसे हजारों करोड़ रुपए का चुना लगाया, यह तथ्य देश के आम आदमी के दिमाग में एकदम ताजा है। ऐसे किस्से कम नहीं कि व्यापारिक घरानो ने अपनी स्थिति का लाभ उठाते हुए पैसा बंटोरा व रातोंरात गायब हो गए। अगर कोई आम इंसान या नेता सरकार की इस सोच पर आश्चर्य जताता तो शायद उसे गंभीरता से नहीं लिया जाए। मगर हाल में देश के सबसे बड़े बैंक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के आतंरिक कार्यकारी दल इंटरनल वर्किंग ग्रुप ने बैंक के स्वामित्व को लेकर जो रिपार्ट जारी की है वह बेहद चौकाने व सतर्क करने वाली है। यह परंपरा रही है कि भारतीय रिजर्व बैंक समय-समय पर अपने तमाम कार्यकारी दलों के जरिए विभिन्न वित्तीय मामलों में अपने दिशा-निर्देश जारी करता रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में सरकार से आगाह किया है कि उसे वाणिज्यिक समूहो को बैंकिंग के क्षेत्र में आने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। रिपोर्ट कहती है कि हाल में वाणिज्यिक घरानों ने जो कुछ किया है व बैंको को चुना लगाया है। इस हकीकत से क्या हमने कोई सबक लेते हुए भविष्य में उन्हें इस क्षेत्र में न आने देने का कोई सबक लिया है? हाल की घटनाओं पर नजर डाले तो पता चलेगा कि जहां एक ओर दुनिया के विभिन्न देशों के बैंक अक्सर फेल हो जाते हैं वहीं हमारे यहां ऐसा नहीं होने दिया जाता रहा है। इनमें यस बैंक व हाल में लक्ष्मी विलास बैंक को वित्तीय संकट से उभारने के मामले इसके उदाहरण है। भारत सरकार ने अंततः दूसरे अन्य बड़े बैंको के सहारे से इन बैंको को उभार लिया। जहां एक और भारतीय स्टेट बैंक ने यस बैंक में भारी संख्या में उसके शेयर खरीद कर निवेश कर उसे बचाया तो वहीं सरकार ने लक्ष्मी विलास बैंक के डीबीएस बैंक में विलय की शुरूआत की है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, शनिवार
5 दिसंबर, 2020

कांदिवली में पिता ने दो बेटियों की हत्या कर किया सुसाइड

सुसाइड नोट में आर्थिक तंगी की वजह से आत्महत्या का जिक्र

मुंबई। मुंबई के कांदिवली इलाके में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां पर एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने आत्महत्या कर ली है। पुलिस में घटनास्थल पर पहुंचकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस को घटनास्थल पर सुसाइड नोट भी प्राप्त हुआ है। जिसमें यह लिखा गया है कि आर्थिक तंगी के चलते परिवार ने इतना बड़ा कदम उठाया है। यह घटना मुंबई कांदिवली इलाके में स्थित गणेश नगर की है जहां पर गरुडा पेट्रोल पंप के सामने खान गली में असगर अली अपने परिवार के साथ रहता था। बीती शाम तकरीबन 6:40 पर पुलिस को परिवार के सुसाइड की सूचना मिली। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो उन्होंने देखा कि घर का

मालिक असगर अली जफर अली लोहे की रोड पर रस्सी की सहायता से फांसी लगा चुका था। जबकि उसकी दो लड़कियां जिसमें से एक 11 वर्ष जमीन पर, जबकि 8 साल की बच्ची कुर्सी पर मृत अवस्था में मिली। लड़कियों के मुंह पर स्टीकर लगा हुआ था। मुंबई पुलिस के डीसीपी विशाल ठाकुर ने बताया कि परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था और इसी वजह से यह सुसाइड किया गया हो सकता है। जो सुसाइड नोट पुलिस को मिला है उसमें यह बात लिखी है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है और सभी एंगल पर पुलिस अपनी जांच कर रही है। इसके अलावा पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का भी इंतजार है। जिसके बाद में ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि वाकई में यह आत्महत्या है या इसके पीछे कोई और वजह है।

मुंबई पुलिस की बड़ी कार्रवाई

22 लाख की कोकीन के साथ तीन विदेशी नागरिक गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने ड्रग्स कारोबारियों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 22 लाख की कोकीन के साथ तीन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है और इनसे आगे की पूछताछ जुटी हुई है। साथ ही इनके पूरे सिंडिकेट को जानने में जुटी हुई है। पुलिस ने इनके पास से 220 ग्राम कोकीन जप्त की है। डीसीपी विशाल ठाकुर के नेतृत्व में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। मुंबई शहर में नशे के कारोबारियों पर अंकुश लगाने के लिए मुंबई पुलिस के साथ साथ मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल

भी जुटी हुई है। इसके अलावा केंद्र की नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की मुंबई टीम भी नशे के सौदागरों को शहर से खत्म करने में जुटी हुई हैं। फिलहाल नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो मुंबई में बॉलीवुड के अंदर चल रहे ड्रग सिंडिकेट को खत्म करने में जुटा हुआ है। इस मामले में एसीबी ने फिल्म जगत में काम करने वाले कई अभिनेताओं और अभिनेत्रियों से पूछताछ की है और यह मामला अभी भी शुरू है। फिलहाल एनसीबी कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति हर्ष से पूछताछ को और भी आगे बढ़ाना चाहती है। इसलिए उसने अदालत का भी रुख किया है।

रॉयल पाम से हुई गिरफ्तारी: पुलिस को 2 अक्टूबर को यह सूचना मिली थी कि कुछ लोग ड्रग्स बेचने के लिए गोरेगांव के रॉयल पाम्स में आने वाले हैं। जिसके बाद पुलिस ने जाल बिछाकर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। जिसके पास से तकरीबन 106 ग्राम कोकीन बरामद हुई। पुलिस ने गिरफ्तार विदेशी नागरिक से जब सख्ती से पूछताछ की तब उसने और दो अन्य लोगों के नाम बताये जिसके बाद उनकी भी गिरफ्तारी की गई। तीनों को गिरफ्तार करने पर कुल 220 ग्राम कोकीन तीनों के पास से जब की गई है।

पंजाब के किसानों ने मोदी सरकार को घुटनों पर ला दिया: शिवसेना

मुंबई। शिवसेना ने कहा कि पंजाब के किसानों ने नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शनों के जरिये मोदी सरकार को घुटनों पर ला दिया है तथा दुनिया उनके द्वारा दिखाई गई एकता से सीख ले रही है। पार्टी ने केन्द्र से प्रदर्शनकारी किसानों की मांगें सुनने का भी आग्रह किया। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में एक संपादकीय में कहा गया है, कड़ाके की ठंड के बावजूद पंजाब के किसानों ने मोदी सरकार के पसीने छुड़ा दिये हैं। प्रदर्शन उग्र होता दिख रहा है। मोदी सरकार को पहले कभी ऐसी चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा। सरकार के सदाबहार हथियार सीबीआई, आयकर विभाग, ईडी और एनसीबी इस मामले में काम नहीं आ रहे हैं। किसानों ने सरकार को घुटने टेकने को मजबूर कर दिया है। संपादकीय में आगे कहा गया है वे (किसान) अपनी मांग पर अडिग हैं कि तीनों विवादित कृषि कानूनों को रद्द किया जाना चाहिए।

महाराष्ट्र का शीतकालीन सत्र 14-15 दिसंबर को नागपुर के बजाय मुंबई में होगा

संवाददाता/मुंबई। महाराष्ट्र विधानमंडल का शीतकालीन सत्र कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए नागपुर के बजाय मुंबई में 14 और 15 दिसंबर को दो दिन के लिए आयोजित किया जाएगा। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। परंपरागत रूप से महाराष्ट्र विधानमंडल के शीतकालीन सत्र का आयोजन नागपुर में होता है जो राज्य की दूसरी राजधानी है। यह सत्र कम से कम दो सप्ताह तक चलता है। अधिकारी ने कहा, शीतकालीन सत्र सिर्फ दो दिन यानी 14 और 15 दिसंबर को आयोजित करने का फैसला बृहस्पतिवार को हुई कार्यमंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक के दौरान लिया गया। राज्य मंत्रिमंडल ने बुधवार को महामारी को आलोक में शीतकालीन सत्र के आयोजन स्थल को नागपुर से मुंबई स्थानांतरित करने के लिए राज्यपाल बी एस कोश्यारी से सिफारिश करने का फैसला किया था। मंत्रिमंडल ने इस

बात पर भी चर्चा की थी कि क्या सात दिसंबर से नागपुर में शुरू होने वाला सत्र दो से तीन दिन की अवधि के लिए आयोजित किया जा सकता है? इससे पहले कोविड-19 महामारी के कारण राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र का आयोजन 22 जून के स्थान पर सात और आठ सितंबर किया गया था। इस बीच, विपक्षी भारतीय जनता पार्टी ने शीतकालीन सत्र मुंबई में केवल दो दिन के लिए आयोजित करने के फैसले पर नाराजगी जताई। भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, हम लंबे सत्र की उम्मीद कर रहे थे ताकि इससे राज्य में लोगों और किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हो सके। लेकिन इस सरकार ने इसकी अवधि बढ़ाने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

पहली चुनावी परीक्षा में उद्धव पास

इन चुनावों में भाजपा को अपने सबसे मजबूत गढ़ यानी नागपुर में हार मिली है। यहां कांग्रेस के उम्मीदवार ने भाजपा के मेयर को चुनाव में शिकस्त दी है। नागपुर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और पूर्व मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस का क्षेत्र रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के पिता गंगाधर राव फड़नवीस ने भी इस सीट से कभी जीत हासिल की थी। नागपुर आरएसएस का गढ़ भी रहा है। इस हिसाब से यह भाजपा के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। पोस्टल बैलेट पर हुए इन चुनावों की मतगणना 3 दिसंबर से जारी थी। अभी भी कुछ सीटों पर औपचारिक ऐलान बाकी है। महाराष्ट्र विधान परिषद के चुनाव में बीजेपी ने 4 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारा थे और एक सीट पर निर्दलीय को समर्थन किया था। वहीं, महाविकास अघाड़ी 5 सीटों पर चुनाव लड़ रही थी, जिनमें शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी 2 और कांग्रेस 2 सीटों पर और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना एक सीट पर चुनाव मैदान में थी। इस हिसाब से कांग्रेस और एनसीपी का रिजल्ट 100% रहा है। चुनाव नतीजों को देखते हुए महाविकास अघाड़ी के नेताओं ने अब भारतीय जनता पार्टी पर तीखे प्रहार करना शुरू किया है। इसी कड़ी में राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता शशिकांत शिंदे कहा है कि अब महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है, यह तो ट्रायल मैच था। शशिकांत शिंदे ने कहा कि राज्य में महाविकास अघाड़ी सरकार आने के बाद पहली बार तीन दलों ने एक साथ चुनाव लड़ा है और उसमें जीत भी हासिल की है। चुनाव में मिली जीत यह बताती है कि जनता का भरोसा महाविकास अघाड़ी सरकार पर है। खास बात यह भी है कि भारतीय जनता पार्टी के आधिपत्य वाली जगहों पर भी महाविकास अघाड़ी सरकार ने अपना परचम लहराया है। महाविकास अघाड़ी की सफलता पर उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा है कि इस परिणाम ने विपक्ष को बड़ा झटका दिया है। पवार ने कहा, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और देवेंद्र फड़नवीस के पिता ने पिछले कई वर्षों से नागपुर में जिस सीट पर कब्जा किया था। अब महाविकास अगाड़ी का उम्मीदवार भी वहां जीत गया है। इसलिए भाजपा को समझना चाहिए कि जनता उनसे कितनी नाराज है। उन्होंने कहा, भाजपा के कुछ बड़े नेताओं की हवा निकल गई है। पुणे निर्वाचन क्षेत्र से आघाड़ी के उम्मीदवार अरुण लाड ने एनडीए उम्मीदवार संग्राम देशमुख को 48 हजार वोटों से हराया है। राज्य सरकार में मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक ने कहा, चुनाव परिणाम पिछले एक साल में महाविकास आघाड़ी के विकास कार्यों पर मुहर की तरह हैं। बीजेपी को सच्चाई स्वीकार करनी चाहिए। विधानपरिषद चुनाव के बाद राज्य में सत्ता परिवर्तन का उनका दावा खोखला साबित हुआ है। चुनावी नतीजों के बाद सुप्रिया सुले ने भी तमाम मतदाताओं का आभार जताते हुए सभी का दिल से धन्यवाद किया।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो के राइटर ने की खुदकुशी

वहीं, उनके भाई जेनिस ने कहा कि अभिषेक के साथ साइबर फ्रॉड हुआ था। उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा था। इसकी जानकारी उन्हें तब हुई, जब अभिषेक की मौत के बाद उनके फोन पर कॉल्स आने लगे। जेनिस ने कहा कि उन्होंने भाई के मोबाइल के मैसेज चैक किए तो एक मैसेज में धमकी दी गई थी कि अगर तुमने लोन नहीं चुकाया तो इसकी जानकारी शेयर कर दी जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि अभिषेक के दोस्तों को इसी तरह के कॉल्स आ रहे थे। इसमें पैसे चुकाने के लिए कहा जा रहा था। जेनिस ने बताया कि भाई की मौत के बाद मैंने उनके ई-मेल भी चेक किए। इस पर भी कई वीडियो कॉल्स आए थे। मैंने चेक किया तो इनमें से एक नंबर बांग्लादेश और एक म्यांमार का भी था। यह भी पता चला कि अभिषेक ने एक ऐप के जरिए लोन भी लिया था। इस लोन की ब्याज दर 30% थी। मेल चेक करने पर यह भी पता चला कि बाद में थोड़ी-थोड़ी रकम अभिषेक के खाते में जमा की गई थी। इसके लिए अभिषेक ने अप्लाई भी नहीं किया था। मतलब साफ है कि ये रकम जबर्दस्ती अभिषेक के अकाउंट में जमा की गई, जिससे उसके बदले में ब्याज वसूला जा सके। गुजराती भाषा में लिखे सुसाइड नोट में अभिषेक ने जिक्र किया था कि वे पिछले कुछ महीनों से काफी परेशानियों से गुजर रहे थे।

वार्ता से पहले किसान संघ का ऐलान
आज फूंकेंगे प्रधानमंत्री मोदी का पुतला, 8 को भारत बंद

संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्र सरकार और प्रदर्शनकारी किसानों के बीच नए कृषि कानूनों पर सहमति नहीं बन पा रही है। इस बीच किसानों ने केंद्र पर दबाव बढ़ाने के लिए आंदोलन तेज करने का मन बनाया है। किसानों का कहना है कि अगर केंद्र सरकार ने उनकी मांग नहीं मानी तो 8 दिसंबर को भारत बंद किया जाएगा। वहीं, किसान नेता हरविंदर सिंह लखवाल ने कहा कि दिल्ली की बाकी सड़कों को भी अवरुद्ध करने की योजना बनाई गई है। वहीं, शनिवार को मोदी सरकार और कॉर्पोरेट घरानों के पुतले फूंकने का भी ऐलान किया गया है। दिल्ली-गाजियाबाद बॉर्डर पर प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे किसान नेता राकेश टिकैत ने 8 तारीख के भारत बंद का आह्वान करते हुए गणतंत्र दिवस परेड में किसानों की भागीदारी की मांग की। उन्होंने कहा, 8 तारीख को पूरा भारत बंद रहेगा। इस बार 26 जनवरी की परेड में किसानों के पूरे सिस्टम को शामिल

किया जाए। ट्रैक्टर हमेशा उबड़-खाबड़ जमीन पर ही चला है उसे भी राजपथ की मखमली सड़क पर चलने का मौका मिलना चाहिए। उधर, सिंघु बॉर्डर पर डटे अखिल भारतीय किसान सभा के महासचिव हन्नान मोल्लाह ने साफ कहा कि भारत सरकार का कोई भी संशोधन स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने किसान आंदोलन को सिर्फ पंजाब का आंदोलन कहे जाने पर रोष प्रकट किया। मोल्लाह ने कहा, इसे सिर्फ पंजाब आंदोलन बोलना सरकार की साजिश है, मगर आज किसानों ने दिखाया कि ये आंदोलन पूरे भारत में हो रहा है और आगे भी होगा। हमने फैसला लिया है कि अगर सरकार कल कोई संशोधन रखेगी तो हम संशोधन स्वीकार नहीं करेंगे।

मुसीबत में घिरी भाजपा को 'कांग्रेस के कैप्टन' का सहारा!

चंडीगढ़। नए कृषि सुधार कानूनों को रद्द करने पर अड़े किसान संगठन लगातार केंद्र सरकार की परेशानी बढ़ा रहे हैं। अब तक किसान संगठनों के साथ विवाद खत्म करने के लिए की गई सारी कोशिशें बेकार साबित हुई हैं। किसानों को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिए कृषि कानूनों की अच्छाइयां गिनाने की कोशिशें भी बेकार गई हैं। किसान साफ कर चुके हैं कि वह कृषि कानूनों की अच्छाइयां जानने नहीं बल्कि उन को रद्द करवाने के लिए दिल्ली आए हैं। दरअसल, सरकार ने यह सोचकर कृषि कानूनों में कुछ संशोधन करने की हामी भी भरी थी किसानों का आक्रोश ठंडा पड़ेगा लेकिन अब किसान संगठनों ने उल्टा कानून रद्द करवाने के लिए लोकसभा का विशेष सत्र बुलाए जाने की मांग कर दी है। किसानों की मांगे सिर्फ कृषि कानून रद्द करवाने या फिर दो फसलों को मिल रहे एमएसपी की गारंटी देने तक ही सीमित नहीं है। वहीं अब 20 से अधिक दूसरी फसलों पर भी एमएसपी की मांग की जा रही है जबकि सच्चाई यह है कि एमएसपी को इन कानूनों से कुछ लेना-देना नहीं है।

किसानों के समर्थन में अवॉर्ड वापसी तेज

किसानों के सपोर्ट में अवॉर्ड वापसी का सिलसिला दूसरे दिन शुक्रवार को भी जारी रहा। लेखक डॉ. मोहनजीत, चिंतक डॉ. जसविंदर और पत्रकार स्वराजबीर ने अपने साहित्य अकादमी अवॉर्ड लौटा दिए। गुरुवार को पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल ने अपना पद्मविभूषण अवॉर्ड लौटा दिया था। उनके अलावा राज्यसभा सांसद सुखदेव सिंह ढींढसा ने अपना पद्मभूषण वापस करने का ऐलान किया था।

केंद्र सुधारों पर राजी, पर किसान नहीं

किसानों और केंद्र के बीच एक दिन पहले यानी गुरुवार को हुई बातचीत में साफ हो गया था कि आंदोलन अभी थमेगा नहीं। क्रांतिकारी किसान यूनियन के लीडर दर्शनपाल ने कहा कि केंद्र कानूनों में कुछ सुधार पर राजी है, पर हम नहीं। हमने उन्हें बता दिया है कि पूरे कानून में ही खामी है।

फ्रांस में विजय माल्या की 1.6 मिलियन यूरो की संपत्ति जब्त

नई दिल्ली। फ्रांस में विजय माल्या की 1.6 मिलियन यूरो (करीब 14.34 करोड़ रुपये) की संपत्ति प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जब्त कर ली है। बता दें कि किंगफिशर एयरलाइंस लिमिटेड के मालिक और शराब कारोबारी विजय माल्या को भारत में भगोड़ा करार दिया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि जनवरी 2019 में मनी लॉन्ड्रिंग (धन शोधन) के मामले विजय माल्या को कोर्ट ने 'भगोड़ा अपराधी' घोषित किया था। माल्या के बारे में जानकारी है कि वह मार्च 2016 से ब्रिटेन में हैं। भारत सरकार विजय माल्या को प्रत्यर्पित करने की कोशिश में भी जुटी हुई है। ईडी ने यह कार्रवाई करने के बाद अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से यह जानकारी साझा की। ट्वीट के अनुसार, बैंक धोखाधड़ी के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय के आग्रह पर विजय माल्या की 32 एवेन्यू फोच, फ्रांस की संपत्ति को फ्रांसीसी अधिकारियों ने जब्त किया है। ईडी ने एक बयान में कहा कि जब्त की गई संपत्ति का मूल्य लगभग 14 करोड़ रुपये है। इसमें कहा गया है कि धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत जांच में खुलासा हुआ था कि संपत्ति के निर्माण के लिए किंगफिशर एयरलाइंस लिमिटेड के बैंक खाते से एक बड़ी राशि विदेश भेजी गई थी।

आईकिया पूरे स्वास्थ्य और सुरक्षा उपायों के साथ नई मुंबई में 18 दिसंबर को अपने नए स्टोर को शुरू करेगा

मुंबई। स्वीडिश ब्रांड और देश का प्रमुख घरेलू फर्निशिंग रिटेलर आईकिया (इंग्का ग्रुप का एक भाग) ने १८ दिसंबर २०२० को अपने नई मुंबई स्टोर के खुलने की घोषणा की है। बड़े सपने देखने वाले कई लोग जिनकी आमदनी कम है, आईकिया उनके लिए बेहतर रोजमर्रा के जीवन का निर्माण करना चाहती है। दुनिया में घर सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है और आईकिया की खास और सस्ती श्रेणी होम के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निर्माण की गई है। आईकिया का ५ लाख + स्क्वेअर फिट स्टोर ७००० से अधिक अच्छी तरह से डिजाइन, सस्ती, अच्छी गुणवत्ता वाले और टिकाऊ होम की प्रस्तुत के उत्पादों के साथ सभी घरो के लिए विचारों और प्रेरणा के साथ लोगो को प्रेरित करेगा।

यह तुर्भे स्टेशन से ६०० मीटर दूर- ठाणे-बेलापुर रोड पर स्थित है। ग्राहक अब आईकिया के प्रतिष्ठित उत्पाद जैसे की बिली बुककेस, एमएएलएम बेड, इकैटीओआरपी सोफा और अन्य का परीक्षण, प्रयास और खरीदारी कर सकते है। श्री पीटर बेटजेल- सीईओ और चीफ सस्टेनेबिलिटी ऑफिसर, आईकिया इंडिया ने कहा की, हम बहुत उत्सुक है क्युकी भारत में मुंबई हमारे प्राथमिक बाजारों में एक है। २०१९ की शुरूवात से हम मुंबई में ऑनलाइन तौर पर उपस्थित रहे है और जल्द ही मुंबई के कई लोग हमारे

लाजवाब आईकिया स्टोर पर खरीदारी कर सकते है। आईकिया अपने बड़े, उत्तम रेंज और होम फर्निशिंग ज्ञान के साथ प्रेरणादायक होम फर्निशिंग समाधान भी लाएंगे, जिसमे कई कमरे-सेट और घरों को प्रदर्शित किया जाएगा और होम के लिए ज्यादा खूबसूरत, स्मार्ट, टिकाऊ, सस्ती जीवन हेतु कई समाधान होंगे और ये सब मुंबई में लोगो के जीवन दर्शाएंगे। महाराष्ट्र में हमारी दीर्घावधि प्रतिबद्धता के साथ हम २०३० तक ६००० से अधिक नौकरी प्रदान करेंगे जिसमे ५० % नौकरिया महिलाओ के लिए होगी। श्री सुभाष देसाई-उद्योग मंत्री,महाराष्ट्र सरकार ने कहा की, नई मुंबई स्टोर के साथ आईकिया के विस्तार से कई तरीकों से सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न होगा- होम फर्निशिंग रिटेल में बढ़ोतरी और निर्माण क्षेत्र, की नौकरियों का निर्माण, राज्य में कौशल्य विकास और लॉजिस्टिक विकास। आईकिया की उपस्थिती से स्थानीय समुदाय को अधिक लाभ होगा। महाराष्ट्र में आपका स्वागत है। नई मुंबई में आईकिया की उपस्थिती से स्थानीय समुदाय के लिए रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है। नई मुंबई के स्टोर में करीबन १२०० सहकर्मियों को रोजगार मिलेगा, जिनमे ५० % महिलाएं है।

उनका ४० % स्टाफ नई मुंबई से है और ७०% सहायक कर्मचारी खास कर हाउसकीपिंग और सिक्योरिटी, तुर्भे और घंसोली के आसपास से हैं। आईकिया महामारी के दौरान आसपास के कई समुदाओ के परिवारों की सक्रिय रूप से सहायता कर रहा है। उन्होंने एमआईडीसी (महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन) के साथ सामुदायिक राहत समर्थन प्रदान करने के लिए भागीदारी की है। आईकिया अपने ओमनी-चॅनल के उपस्थिती के साथ ई-कॉमर्स, फिजिकल स्टोर्स और क्लिक एंड कलेक्ट जैसी अतिरिक्त सेवाएं, क्लिक एंड डिलीवर और रिमोट प्लानिंग का विकास कर रही है। नई मुंबई स्टोर के बाद, साल २०२१ के दौरान, आईकिया के दो और सिटी सेंटर स्टोर्स मुंबई में कई लोगो तक पहुंचने हेतु खोले जाएंगे। अब तक 35 मिलियन से अधिक ऑनलाइन विजिटर्स के साथ आईकिया हैदराबाद और पुणे में ऑनलाइन उपस्थित है और साल २०२२ तक १०० मिलियन भारतीय ग्राहकों तक पहुंचने की उनकी अभिलाषा है।

बीजेपी के पूर्व मंत्री गिरीश महाजन ने कौड़ियों के दाम खरीदी महंगी जमीन, पारस लालवानी ने लगाया आरोप

जलगांव। महाराष्ट्र बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री गिरीश महाजन भी राज्य में हुए बीएचआर घोटाले की जद में आते हुए नजर आ रहे हैं। जलगांव के पारस लालवानी नाम के शख्स ने गिरीश महाजन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्होंने शहर की महंगी जमीन को कौड़ियों के दाम पर खरीदा है। इतना ही नहीं इस घोटाले में उनकी पत्नी का नाम भी घसीटा गया है। महाजन पर बीएचआर घोटाले की जमीन को कौड़ियों के दाम पर खरीदने का आरोप लगा है। आरोप के मुताबिक उन्होंने 20 से 25 करोड़ कीमत वाली जमीन को महज डेढ़ करोड़ रुपए में खरीदा है। बीएचआर मामले की जांच कर रही अब आर्थिक अपराध शाखा की टीम ने पारस लालवानी को पुणे में पूछताछ के लिए बुलाया था। पारस लालवानी ने बताया कि उन्होंने यह सारी बात आर्थिक अपराध शाखा को भी बता दी है। पारस के मुताबिक महाजन ने अपनी पत्नी समेत जलगांव जिले की जामनेर शिवार इलाके की बोदवड रोड और शाहपुर रोड पर 25 करोड़ की जमीन को कौड़ियों के दाम पर खरीदा

है। लालवानी ने अपने निवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि उनके पास BHR क्रेडिट सोसायटी के बारे में बहुत सारे सबूत हैं। पारस लालवानी के मुताबिक गिरीश महाजन ने पहले यह जमीन अपने परिचित व्यक्ति को खरीदवाई और फिर बाद में उन्हें अपने और पत्नी के नाम ट्रांसफर करवा लिया। इतना ही नहीं पैसों के लेनदेन में भी रसीद का इस्तेमाल किया गया। इन तमाम बातों से साफ तौर पर घोटाला नजर आता है। लालवानी ने आरोप लगाया कि ऐसे लोगों की वजह से ही महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या बढ़ रही है। यदि गिरीश महाजन ने गलत काम नहीं किया है तो वह इतने दिनों से गायब क्यों हैं और उनके समर्थक भी क्यों भूमिगत हो गए हैं। आर्थिक अपराध शाखा की जांच में उनके ऊपर भी कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बीजेपी ने किया बचाव

अपने ऊपर लगाए गए आरोपों के बचाव में अभी तक गिरीश महाजन की तरफ से कोई भी बयान नहीं आया है। हालांकि जलगांव बीजेपी के तरफ से यह कहा गया है कि गिरीश महाजन का इन मामलों में कोई भी रोल नहीं है और उन्हें एक साजिश के तहत फंसाया जा रहा है। मामले की जांच चल रही है और जल्द ही दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

महाराष्ट्र में 2360 रुपये का मिलेगा रेमडेसिविर इंजेक्शन, राज्य सरकार ने तय की कीमत

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने कोविड-19 से गंभीर रूप से बीमार रोगियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाले रेमडेसिविर इंजेक्शन के दाम शुक्रवार को 2,360 प्रति इंजेक्शन तय कर दिए। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। जन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रधान सचिव डॉक्टर प्रदीप व्यास ने कहा कि सरकार ने सभी प्रमुख शहरों, कस्बों तथा जिलों की 59 दवा दुकानों की सूची भी जारी है, जहां से ये इंजेक्शन खरीदे जा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'राज्य सरकार द्वारा संचालित अस्पतालों के अलावा कोविड-19 रोगियों का इलाज कर रहे निजी अस्पतालों में भी ये इंजेक्शन निशुल्क उपलब्ध रहेंगे।' डॉक्टर व्यास ने कहा कि एक इंजेक्शन की कीमत 2,360 रुपये तय की गई है।

समस्तीपुर हलचल

7 दिनों के अंदर अधूरे काम पूरा करें नहीं तो होगी प्राथमिकी दर्ज: बीडीओ

खानपुर ब्लॉक क्षेत्र के रेबड़ा पंचायत के वार्ड नं 10 में नल जल योजना में अनियमितता को लेकर बीडीओ ने दिया सख्त निर्देश

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर/खानपुर। प्रखण्ड क्षेत्र अंतर्गत रेबड़ा पंचायत के वार्ड नं 10 स्थित जगदीशपुर गांव में ग्रामीणों की शिकायत पर आज प्रखण्ड विकास पदाधिकारी गौरी कुमारी ने नल जल योजना की जांच की। इस दौरान पाया कि बार्ड क्रियान्वयन एवं प्रवंध समिति द्वारा बोरिंग के पास स्ट्रक्चर का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं किया गया है। वहाँ पानी टंकी नहीं लगाया गया है। बोरिंग के चारों तरफ एवं पाइप लाइन के हर मोड़ के पास चेम्बर नहीं बनाया गया है जिस कारण खुले पाइप में गंदगी चला जाता है। उन्होंने इस पानी के सेवन से संक्रमण का खतरा की आशंका जताई है। कई जगह पाइप खुला हुआ पाया गया तथा कई घरों में नल का कनेक्शन भी नहीं लगा था। निरीक्षण के दौरान बीडीओ को

लोगों ने बताया कि जगह जगह पर पाइप लाइन से लिकेज है जिससे पानी निकलता रहता है। बीडीओ ने बताया कि बोरिंग में उचित माध्यम से न तो बिजली कनेक्शन लिया गया है और न ही स्टेप्लाइजर की व्यवस्था की गई है जो अत्यंत ही खेदजनक है। साथ ही लोगों ने बताया कि सही तरीके से अनुरक्षक की नियुक्ति भी नहीं की गई है। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने बताया कि वार्ड सदस्य एवं प्रवंध कार्यकारिणी के सचिव को उक्त सभी समस्याओं के निदान के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। अगर समय रहते कार्य पूरा नहीं किया जाता है तो राशि निकासी के उपरांत कार्य नहीं किये जाने,सात निश्चय के कार्य में वेवजह देर करने,बाधा डालने एवं राशि गवन करने के आरोप में सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। मौके पर जिलापार्षद स्वर्णिमा सिंह,पूर्व पंचायत समिति सदस्य वीणा देवी,मो नबाव अंसारी, राम सागर महतो, विनोद महतो,दामोदर महतो,कपलेश्वर महतो, रामविलास सहनी, राम देव सहनी, संतोष कुमार, संजय महतो आदि उपस्थित रहे।

वीआईपी जिला कार्यकारिणी की बैठक आयोजित,

कार्यकर्ताओं ने किया निषाद संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत

संवाददाता/जेड अहमद

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के धुरलख पंचायत के ब्रह्मस्थान में शुक्रवार 4 दिसंबर को विकासशील इंसान पार्टी जिला कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष विपत सहनी और संचालन जिला प्रवक्ता भारतेन्दु पाठक ने की। बैठक में पार्टी को मजबूत करने और संगठन के विस्तार करने पर चर्चा की गयी। बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर निषाद विकास संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सहनी उपस्थित थे। मौके पर पार्टी के फाउंडर मेंबर और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमेश सहनी भी मौजूद थे। मौके पर युवा अध्यक्ष शिवानंद बमबम, महिला जिला अध्यक्ष पुष्पा सहनी, प्रदेश उपाध्यक्ष एनवीएस जितेंद्र कुमार चौधरी, विधानसभा प्रभारी एहताशाम खान, निशात आलम, राजीव कर्ण, पंकज कर्ण, फैजान अहमद, रहमतुल्ला, केदार मुखिया, अशोक कुमार महतो, भारत भूषण, मोहम्मद परवेज, एवं रामविनोद मुखिया आदि उपस्थित थे।

मधुबनी हलचल

विपक्ष की राजनीति करिए केवल विरोध के लिए विरोध करने की तुच्छ राजनीति से बचिए : शाहिद आफरीदी

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। हो सकता है कि आप किसी पार्टी या नेता के समर्थक हों, आपको किसी पार्टी या नेता की विचारधारा पसंद हो और आप उसका समर्थन करते हो, यह भी हो सकता है कि आप किसी नेता या पार्टी की नीतियों को पसंद न करते हों और आप उसके विपक्ष में हों। दोनों ही स्थितियों में कोई बुराई नहीं है, बल्कि यह अच्छी बात है कि आप नीतियों और विचारधारा के आधार पर नेता या पार्टी का समर्थन कर रहे हैं या विपक्ष में हैं, यह हर नागरिक का दायित्व है कि वह हर उस पार्टी या नेता का, हर उस विचारधारा का समर्थन करे जो राष्ट्र हित में हो, जो लोगों को जोड़ने वाली हो, जो देश को तरक़्क़ी और उन्नति के मार्ग पर ले जाने वाली हो और हर उस विचारधारा, पार्टी और नेता के विपक्ष में खडे.होना चाहिए जिसकी नीतियाँ देश को बाँटने वाली, लड़ाने वाली, जाति धर्म के आधार पर ध्रुवीकरण करने वाली हो, देश को तोड़ने वाली हो। पर समस्या तब आती है कि जब हम विपक्षी के बजाय विरोधी बन जाते हैं, जब आप किसी नेता या पार्टी के विपक्ष में होते हैं तो आप उनकी हर उन नीतियों का समर्थन करते हैं जो देशहित में होती हैं, हर उस मुद्दे पर उनके साथ खड़े होते हैं जिससे देश को लाभ होता

हो और हर उस मुद्दे पर उनकी उन नीतियों का पुरजोर विरोध भी करते हैं जो देश हित में न हों, जिनसे देश की अधिकतर जनता को कोई लाभ न पहुँचता हों या जो नीतियाँ पक्षपात, भेदभाव करने वाली हों। किसी भी देश को आगे बढ़ाने में सकारात्मक विपक्ष का बहुत महत्वपूर्ण योगदान होता है, पर समस्या यह है कि हमारे देश में कोई भी विरोधी और विपक्षी होने के बीच के अंतर को नहीं बताता है और हम विपक्ष में होने के नाते विरोधी ही बनकर रह जाते हैं। विपक्ष का काम विरोध करना तो हैं परन्तु केवल विरोध करना नहीं है। यदि आप किसी पार्टी, व्यक्ति या नेता के विरोधी भी हैं तो भी एक सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभाये, उसे केवल यह मत बताइये कि वह कहाँ कहाँ गलत है बल्कि यह भी बताइये कि उस स्थिति में सही क्या है? उसे क्या करना चाहिए, इसे ही सकारात्मक विरोध या Positive Creticissom कहा जाता है। वरना यदि विरोध के लिए विरोध किया जाएगा तो कुछ समय बाद लोग आपको ही गलत कहने लगेंगे और आपके लगातार विरोध के कारण उस व्यक्ति, नेता या पार्टी को लाभ ही मिलेगा। अक्सर चुनाव वही पार्टी या नेता जीतता है जिसका अधिकतर लोग विरोध कर रहे होते हैं।

बुलढाणा हलचल

बुलडाणा नगर पालिका की कॉलोनी बनी अय्याशी का अड्डा

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। जोहर नगर में स्थित बुलढाणा नगर पालिका द्वारा लाखों रुपए की लागत से बनाई गई कॉलोनी नशेड़ीयों और जुआरियों का अड्डा बन गया है। कॉलोनी का निर्माण पूरा ना होने के कारण परिसर के नागरिकों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। क्योंकि इस लावारिस कॉलोनी में शाम होते ही शराबियों और जुआरी इस कॉलोनी में डेरा डालकर धूम मचाते हैं। जिसके कारण आए दिन इस परिसर में झगड़ा फसाद होता रहता है। जिसकी वजह से परिसर के नागरिक वे बड़े भय में रहते हैं। विगत कुछ दिनों पहले इसी स्थल पर बड़ी वारदात हुई थी। आए दिन परिसर में छोटी मोटी वारदात होती रहती है। जिसके कारण परिसर के नागरिकों को जीना दुश्वार हो गया है। इस समस्या को लेकर बुलढाणा नगर पालिका के मुख्य प्रशासन को अवगत भी कराया लेकिन इस ओर कोई कार्रवाई ना होने से नशेड़ीयों और जुआरियों के हौसले बुलंद हो गए हैं। तभी इस परिसर के नागरिकों ने मांग कि है के बुलढाणा नगर परिषद इस ओर ध्यान देकर वरिष्ठ स्थल पर समस्या का हल करें। नागरिकों द्वारा यह भी मांग की जा रही है कि इस वार्ड के नगर सेवक विशेष तौर पर ध्यान दे कर समस्या को हल कराए।

आवारा कुत्तों के हमले में एक सात वर्षीय लड़का गंभीर रूप से घायल हो गया

बुलडाणा। शहर के समीप सागवान गांव का एक 7 वर्षीय लड़का उस समय गंभीर रूप से घायल हो गया जब उस पर अचानक गांव के मोकत कुत्तों ने हमला कर दिया और उसे और इलाज के लिए औरंगाबाद भेज दिया गया। पता चला है कि सागवान गांव के 7 वर्षीय लड़के प्रसाद विलास बछारे पर आज 3 दिसंबर को दोपहर करीब 1 बजे उनके घर के पास खेत में खेलते समय 5 से 6 आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया था। जैसे ही आवारा कुत्तों ने बच्चे कि कमर को नोंच कर खुन से तर ब तर कर दिया था उस बच्चे ने मदद के लिए चिल्लाया, कुछ लोगों ने उसे देखा और उसकी सहायता के लिए दौड़ पड़े। कुत्तों ने प्रसाद छोड़ दिया और भाग गए, लेकिन हमले में प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गया। उनकी हालत गंभीर होने पर उसे आगे के इलाज के लिए औरंगाबाद भेज दिया गया। प्रसाद के पिता विलास बूचरे ने कहा कि पिछले एक महीने में सागवान गांव में 5 से 6 लोगों पर मोकट कुत्तों के हमले से जखमी हो गए। ग्रामीणों की प्रशासन से मांग है कि गांव में आवारा कुत्तों का बंदोबस्त दिया जाए।

राजस्थान हलचल

नई नवेली दुल्हन की अचानक हुई मौत

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हुसैन

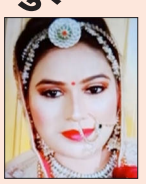

राजस्थान। अजमेर में चार दिन पहले जो युवती दुल्हन बनकर अपने ससुराल पहुंची आज उसी की मौत ने परिजनों को झकझोर दिया मामला संदिग्ध मानते हुए पुलिस ने पीहर पक्ष की रिपोर्ट पर जांच शुरू कर दी है। क्लॉक टावर थाना क्षेत्र में रहने वाली मनीषा सुनारीवाल की शादी 29 नवम्बर को हुई थी। थानाधिकारी दिनेश कुमावत ने कहा कि ससुराल पक्ष ने बताया है कि मनीषा दिन में बाथरूम गई थी लेकिन समय ज्यादा होने पर जब वह बाहर नही निकली तो बाथरूम का गेट तोड़ा तो वह फर्श पर पड़ी मिली। परिजनों ने उसी हालत में उसे जेएलएन अस्पताल लाये जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में पीहर पक्ष को पुलिस ने मौके पर बुलाया जहां उन्होंने मनीषा की मौत पर शक जताया। पुलिस ने शक जताने पर शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया व शव परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रामपुर हलचल

पालिकाध्यक्ष मेहनाज जहां के पति मकसूद लाला ने कहा, शिक्षा का हासिल करना सबसे बड़ी कला है

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। पालिकाध्यक्ष मेहनाज जहां पति मकसूद लाला जी ने कम्जो जिट माडल पूर्व माध्यमिक विद्यालय कन्या टाण्डा ब्लाक स्वार में एस.एम.सी मीटिंग का गठन किया गया तथा सेट 2 परीक्षा के रिजल्ट एवं स्वेटर का वितरण किया गया पालिकाध्यक्ष पति मकसूद लाला जी ने कहा कि शिक्षा का हासिल करना सबसे बड़ी कला है आज का समय कम्प्यूटरा इज्ड का समय है जितना हो सके बढ़ चढ़ कर विशेष रूप से शिक्षा पर ध्यान एवं तवज्जो देनी है जिससे हमारा विकास हो सके साथ ही शिक्षा ग्रहण करने के उपरान्त बड़ी बड़ी नौकरियां हासिल कर सके इससे हमारी बेरोजगारी भी दूर होती हैं साथ ही एक दूसरे की सभ्यता भी बनी रहती हैं इस मौके पर पालिकाध्यक्ष पति मकसूद लाला जी,मु०शरीफ कुरेशी,मु०निसार, मु०शरीफ अंसारी सहित सम्भ्रांत व्यक्तियो ने भाग लिया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

डायबिटीज की कड़वाहट बढ़ाता स्ट्रेस

भागती-दौड़ती जिंदगी में लाइफस्टाइल डिसीज का खतरा बढ़ता जा रहा है। हर उम्र और वर्ग के लोग इसके शिकार बन रहे हैं। डायबिटीज भी इन्हीं मुसीबतों में से एक है, जिसके पीड़ितों की संख्या में हर दिन इजाफा हो रहा है। इस मुश्किल को बढ़ाने वाला एक प्रमुख कारण है स्ट्रेस।

एक बीमारी, कई खतरे

डायबिटीज केवल एक बीमारी नहीं है। यह कई सारी मुसीबतों को आमंत्रण देने वाली एक स्थिति है। इसके कारण शरीर के विभिन्ना अंगों की कार्यप्रणाली पर बुरा असर पड़ने के साथ ही अंगों के क्षतिग्रस्त होने तक की आशंका हो सकती है। यही कारण है कि दुनिया भर में इसे लेकर लोगों को सतर्क किया जा रहा है।

स्ट्रेस डालता है बुरा असर

दफ्तर, घर और यहां तक कि स्कूल और कॉलेज में तेज रफ्तार जीवन के कारण लोगों में तनाव जैसी स्थितियां आम तौर पर पनपने लगी हैं। मानसिक स्तर होने वाले यही बदलाव डायबिटीज के भी पैदा होने और फिर इसकी वजह से शरीर द्वारा गंभीर परिणाम झेलने की वजह बनते हैं। लंबे समय तक साथ रहने वाला स्ट्रेस शरीर की रक्त शर्करा के प्रबंधन की क्षमता को बाधित करता है। यदि ज्यादा समय तक यही स्थिति बनी रहे, तो समस्या बढ़ती चली जाती है।

लक्षण दशाएं स्ट्रेस

मानसिक, भावनात्मक तथा शारीरिक स्तर पर पड़ने वाला तनाव ही स्ट्रेस की स्थिति होती है। इसके कारण आप सिरदर्द, कंपकंपाहट, गुस्सा आना या व्यवहार में परिवर्तन, मूड स्विंग्स, पैनिक अटैक, तेज पसीना आना या भिंचे हुए जबड़े आदि जैसी अनुभूतियां कर सकते हैं। लंबे समय तक इसके बने रहने से शरीर इस तरह महसूस करता है मानो वह लगातार एक प्रकार के हमले से लड़ रहा हो। जब ऐसा होता है, तब शरीर में हार्मोन्स का स्तर बढ़ने लगता है और यह असंतुलन रक्त में शकर के संतुलन को गड़बड़ा सकता है।

डायबिटिक या सामान्य?

स्ट्रेस की यह स्थिति उन लोगों को तो दिक्कत देती ही है, जो पहले से डायबिटिक होते हैं। इसके अलावा वे लोग जिनमें अब तक शुगर के स्तर के बढ़ने जैसी स्थिति नहीं बनी है, वे भी इसकी जद में आ जाते हैं और डायबिटिक हो सकते हैं। वहीं स्ट्रेस के साथ अल्कोहल का सेवन, एक्सरसाइज या फिजिकल एक्टिविटी की कमी, अनियमित खानपान तथा नींद में कमी मिलकर भी व्यक्ति को डायबिटीज की ओर धकेल सकती हैं।

करें परिवर्तन

स्ट्रेस की यह स्थिति तकलीफदायी न बने, इसके लिए प्रयास करें। डायबिटीज का सबसे अच्छा इलाज उसका सही प्रबंधन ही है। इसलिए कुछ खास बातों को हमेशा के लिए अपने जीवन का हिस्सा बना लें। इनमें शामिल हैं:

- ध्यान (मेडिटेशन) को अपनाएं
- सकारात्मक चीजों से जुड़ें
- बार-बार दुख देने वाले कारणों को याद न करें
- खुद को व्यस्त रखें
- गहरी सांस लेने व छोड़ने का अभ्यास नियमित करें
- नियमित व्यायाम को अपनाएं
- संगीत या अन्य क्रिएटिव चीजों के जरिए जीवन को सरल और प्रवाहमय बनाएं।

आप डायबिटिक हों, तब भी या न हों तब भी, इन चीजों को व्यवहार में जरूर लाएं। ये स्वस्थ बने रहने में आपके लिए बहुत मददगार साबित होंगी।

छोटा-सा मसल क्रैम्प और बड़ी-सी पीड़ा

मसल क्रैम्प यानी मांसपेशियों की ऐंठन या जकड़न बेहद आम समस्या है, जिससे लगभग हर व्यक्ति कभी-न-कभी प्रभावित होता है। शरीर की कोई मांसपेशी अचानक जकड़ जाती है, जिससे आप दर्द से सिहर उठते हैं। यूं तो कोई भी मांसपेशी इस प्रकार क्रैम्प की शिकार हो सकती है लेकिन अधिकांशतः पैरों की मांसपेशियों में ऐसा होता है।

क्यों होता है मसल क्रैम्प?

मसल क्रैम्प के कई कारण हो सकते हैं। इनमें प्रमुख हैं:

- रक्त संचार में गड़बड़ी
- कसरत या खेलकूद के दौरान मांसपेशियों पर अधिक जोर पड़ना
- डीहाइड्रेशन
- शरीर में मैग्नीशियम या पोटेशियम की कमी
- गर्भवती महिलाओं में कैल्शियम की कमी
- रीढ़ की तंत्रिकाओं के दबने से भी टांगों में क्रैम्प की अनुभूति हो सकती है
- कुछ दवाइयों के साइड इफेक्ट के तौर पर भी मसल क्रैम्प हो सकते हैं।

कैसे बचें क्रैम्प्स से?

क्रैम्प्स की समस्या से बचने के लिए आप कुछ साधारण उपाय अपना सकते हैं। डीहाइड्रेशन से हर हाल में बचें। इसके लिए अपनी शारीरिक गतिविधि को मद्देनजर रखते हुए समय-समय पर पानी पीते रहें। कुछ हल्का-फुल्का खाते भी रहें। इससे शरीर में पानी व खनिज की कमी नहीं होगी। स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज करें। यदि रात को नींद में पिंडलियों में क्रैम्प की समस्या होती है, तो सोने से कुछ पहले स्टेशनरी साइकल चलाने जैसा कोई हल्का व्यायाम करें। वहीं, यदि आपको लगता है कि किसी खास कसरत की वजह से आपको क्रैम्प की समस्या हो रही है, तो अपने एक्सरसाइज को रेजीम बदलें।

क्या करें जब क्रैम्प हो?

यूं तो क्रैम्प सामान्यतः कोई गंभीर समस्या नहीं होता लेकिन इसकी वजह से होने वाला तीव्र दर्द बुरी तरह व्यथित करके रख देता है। आप हल्का मसाज करके या थोड़ी स्ट्रेचिंग करके राहत पा सकते हैं। शुरूआती अवस्था में प्रभावित मांसपेशी पर सिकताव करने से लाभ हो सकता है। दर्द थोड़ा कम होने पर प्रभावित स्थान पर बर्फ लगाएं। अक्सर रात में सोते हुए अचानक पिंडलियों में जकड़न के कारण तीव्र पीड़ा होती है और व्यक्ति छटपटाते हुए जाग उठता है। ऐसे में सबसे आसान उपाय यह है कि आप खड़े हो जाएं और अपना वजन उस पैर पर डालें, जिसकी मांसपेशी में जकड़न आई है। यदि चलते-फिरते या कोई काम करते वक्त क्रैम्प हो आए, तो आप जो भी काम कर रहे हैं, उसे रोक दें और प्रभावित मांसपेशी को स्ट्रेच करें या फिर हल्के-से मसाज करें। अक्सर क्रैम्प का कारण डीहाइड्रेशन होता है। इसलिए पानी पीने से राहत मिल सकती है। मगर डीहाइड्रेशन का मतबल केवल पानी की कमी नहीं होता, इसमें खनिजों की भी कमी हो जाती है। इसलिए सॉल्ट टैबलेट या स्पोर्ट्स ड्रिंक भी लें।

कब जरूरी है डॉक्टर को दिखाना?

वैसे तो आप अपने स्तर पर ही कुछ सामान्य उपाय कर क्रैम्प से राहत व छुटकारा पा सकते हैं लेकिन कुछ मामलों में यह समस्या गंभीर रूप ले लेती है और तब डॉक्टर को दिखाना जरूरी हो जाता है। यदि जकड़न व दर्द बहुत अधिक हो, साधारण स्ट्रेचिंग से राहत न मिले, क्रैम्प लंबे समय तक बना रहे या बार-बार यह समस्या होती रहे, तो डॉक्टर के पास जाना ही बेहतर होता है। डॉक्टर विस्तृत परीक्षण करने के बाद थायरॉइड व गुर्दे के कार्य अथवा कैल्शियम/ पोटेशियम/ मैग्नीशियम मेटाबॉलिज्म की जांच हेतु टेस्ट कराने को कह सकते हैं। तात्कालिक राहत के लिए डॉक्टर कोई दर्दनिवारक दवा भी दे सकते हैं।

आपके पास मौजूद ये 7 चीजें देती हैं संक्रामक बीमारियां, ऐसे करें बचाव

संक्रामक आदतें

क्या किसी से महज बात करने से ही उसकी समस्या आपके अंदर आ सकती है? क्या किसी का साथ आपको उसकी तकलीफ दे सकता है? जी हां, सिर्फ बीमारियां ही नहीं, बल्कि कुछ आदतें भी संक्रमण की तरह फैल सकती हैं। आइये जानते हैं ऐसी ही 7 अजीब संक्रामण चीजों के बारे में।

तनावग्रस्त सहकर्मी

अगर आपके साथ काम करने वाले शख्स का दिन तनावभरा है तो उससे बात करके या उसके आसपास रहकर आपको भी तनाव हो सकता है। दरअसल, ऐसी स्थिति में आपके उन हामोर्नों का स्तर बढ़ जाता है जो तनाव बढ़ाता है। इसलिए, ऐसे शख्स के संपर्क में आने के बाद खुद से संकल्पपूर्वक कहें, ₹मुझे उसका तनाव नहीं चाहिए!₹ उसके बाद गहरी सांस लें और वापस

अपने काम में लग जाएं

दोस्त की महंगी चीजें

अक्सर ऐसा होता है कि आपका दोस्त कोई महंगी चीज लाता है और उसे देखकर आपका भी मन होने लगता है कि वो चीज आपके पास भी हो। ऐसी स्थिति तभी खराब होती है जब कोई तुलना करने लगता है। अपने आपको याद दिलाएं कि खुशी वो चीजें हासिल करने में नहीं है, जो दूसरों के पास हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अगली फिल्म में लिज्जत पापड़ बेचेंगी कियारा आडवाणी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'लक्ष्मी' डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई और अब उनकी अगली फिल्म 'इंदू की जवानी' सिनेमाघरों में 11 दिसंबर को रिलीज होगी। वहीं, इन दिनों कियारा चंडीगढ़ में फिल्म 'जुग जुग जियो' की शूटिंग कर रही हैं। अब खबर आ रही है कि एक्ट्रेस ने एक और नई फिल्म साइन की है, जिसका नाम 'कर्रम कुर्रम' है, जिसे आशुतोष गोवारिकर प्रोड्यूस करने जा रहे हैं। खबर के मुताबिक, 'कर्रम कुर्रम' मशहूर पापड़ ब्रैंड 'लिज्जत पापड़' पर आधारित है। महिला सशक्तिकरण के विषय पर बन रही इस फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे 7 गुजराती महिलाओं ने अभाव में पापड़ बनाना शुरू किया और देखते ही देखते उनका पापड़ पूरे देश में मशहूर हो गया। इसमें एक मुख्य भूमिका निभाने के लिए कियारा का चयन हो चुका है।

शाहरुख खान की 'पठान' में हुई डिंपल कपाड़िया की एंट्री

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'पठान' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। हालांकि अभी तक इस फिल्म के बारें में कुछ भी ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि फिल्म में शाहरुख के साथ दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी नजर आने वाले हैं। वहीं अब इस फिल्म में एक और एक्ट्रेस की एंट्री होने की खबरें हैं। खबरों के अनुसार फिल्म में डिंपल कपाड़िया भी नजर आने वाली है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में वह एक जासूस का किरदार निभाती नजर आएंगी जो कि उनकी ही टीम की एक सदस्य होने वाली हैं। खबरों के अनुसार फिल्म में शाहरुख खान की एक टीम होगी, जिसमें डिंपल कपाड़िया भी शामिल होंगी। डिंपल कपाड़िया ने बीते दिनों शाहरुख खान के साथ शूटिंग की है। अब वो जरूरत पड़ने पर कास्ट के साथ शूटिंग करती रहेंगी। फिल्म में डिंपल कपाड़िया का अहम किरदार है। फिल्म 'पठान' में जहां शाहरुख खान एक्शन अवतार में दिखेंगे, वहीं जॉन अब्राहम खलनायक का किरदार निभाएंगे। यशराज बैनर फिल्म 'पठान' को बड़े स्तर पर शूट करने की प्लानिंग कर रहा है, जिस कारण आदित्य चोपड़ा ने इतने बड़े दो अभिनेताओं को साइन किया है।

रितिक रोशन को लेकर सिद्धार्थ आनंद बनाएंगे फिल्म फाइटर

रितिक रोशन को लेकर सिद्धार्थ आनंद ने 'बैंग बैंग' बनाई थी। रितिक को सिद्धार्थ का काम पसंद आया, जिसके बाद दोनों ने 'वॉर' नामक एक्शन मूवी साथ में की। यह 2019 की सबसे सफल फिल्म साबित हुई और रितिक का ऐसा अंदाज पहले कभी नहीं देखा गया।

खबर है कि अब सिद्धार्थ और रितिक 'फाइटर' नामक फिल्म प्लान कर रहे हैं, जिसकी शूटिंग 2022 की शुरूआत में शुरू होगी और 2022 के अंत तक यह फिल्म रिलीज होगी। सूत्रों के अनुसार रितिक जब 'वॉर' मूवी की शूटिंग कर रहे थे तब सिद्धार्थ ने 'फाइटर' फिल्म की कहानी का आइडिया रितिक को बताया था जिसकी पृष्ठभूमि फाइटर जेट है। रितिक को आइडिया पसंद आया। लॉकडाउन के दौरान सिद्धार्थ ने कहानी पर काम करना शुरू किया। रितिक ने भी महत्वपूर्ण इनपुट्स दिए हैं और रितिक के सुपरविजन में स्क्रिप्ट लिखने का काम चल रहा है।